Regarding issue of Kendriya Vidyalaya in Birbhum, West Bengal

श्रीमती शताब्दी राय बनर्जी **(**बीरभूम**):** माननीय सभापति महोदया, मैं सेन्ट्रल स्कूल के संबंध में अपनी बात कहना चाहती हूँ ।सेन्ट्रल स्कूल्स में इंफ्रास्ट्रक्चर्स, टीचर्स की कमी के बारे में बहुत-सी कम्प्लेंट्स आती हैं । मेरे बीरभूम कांस्टिट्यूएंसी में स्थित सेन्ट्रल स्कूल में परमानेंट टीचर्स भी फेक हैं, बाकी टीचर्स कांट्रैक्चुअल हैं । वे सारे टीचर्स पढ़ाने के लिए क्यों नहीं आते हैं, इसके बारे में मॉनिटरिंग करनी चाहिए । पहले सेन्ट्रल स्कूल्स में हर साल एडमिशन कराने के लिए एमपीज को 10 कोटा दिये जाते थे । अगर उसे फिर से बहाल किया जाए, तो हम लोग कम से कम 5 साल में 50 बच्चों की हेल्प कर सकते हैं । इसलिए इसे एमपीज के लिए फिर से बहाल किया जाना बहुत जरूरी है।

सेन्ट्रल स्कूल्स में मिड डे मील के लिए बच्चे आते हैं, केवल वही काफी नहीं है । मिड डे मील के अलावा वहाँ पढ़ाई भी होनी चाहिए । सेन्ट्रल स्कूल्स हिन्दी मीडियम में हैं, लेकिन उनमें मातृभाषा की भी पढ़ाई होनी चाहिए । बंगाल में बांग्ला भाषा को भी सपोर्ट करना है, क्योंकि नये जेनरेशन्स न तो अपनी भाषा ठीक से जानते हैं, न ही वे ठीक से यह बोल पाते हैं । अगर इसे स्कूल्स में एन्करेज नहीं किया जाएगा, तो उसका हाल और भी खराब हो जाएगा ।